हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(बसंत)(पाठ 15)(अनु बद्योपाध्याय – नौकर)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गांधी जी ने कौन सा काम करवाया और क्यों ?
उत्तर 1:
एक बार उनके पास कॉलेज के कई छात्र मिलने आए। उनको अंग्रेजी भाषा के अपने ज्ञान का बड़ा गर्व था। गांधीजी से बातचीत के अंत में वे बोले, बापू, यदि मैं आपकी कोई सेवा कर सकूँ तो कृपया मुझे अवश्य बताएँ। , उन्हें आशा थी कि बापू उन्हें कुछ लिखने–पढ़ने का काम देंगे। गांधीजी ने उनके मन की बात ताड़ ली और बोले, अगर आपके पास समय हो, तो इस थाली के गेहूँ बीन डालिए। , वे बेचारे बड़ी मुश्किल में पड़ गए, लेकिन अब तो कोई चारा नहीं था। एक घंटे तक गेहूँ बीनने के बाद वह थक गए और गांधी से विदा माँग कर चल दिए।

प्रश्न 2:
'आश्रम में गांधीजी कई ऐसे काम भी करते थे, जिन्हें आमतौर पर नौकर–चाकर करते हैं'। पाठ से तीन ऐसे प्रसंगों को अपने शब्दों में लिखो जो इस बात का प्रमाण हों।
उत्तर 2:
आश्रम में गांधी कई ऐसे काम भी करते थे जिन्हें आमतौर पर नौकर–चाकर करते हैं। जिस जमाने में वे बैरिस्टरी से हजारों रुपये कमाते थे, उस समय भी वे प्रतिदिन सुबह अपने हाथ से चक्की पर आटा पीसा करते थे।सवेरे की प्रार्थना के बाद वे रसोईघर में जाकर सब्जियाँ छीलते थे।बड़े–बड़े पतीलों को भी कभी–कभी माँजने बैठ जाते थे ,आश्रम के लिए बाहर बने कुएँ से पानी खींचने का काम भी वे रोज करते थे।

प्रश्न 3:
लंदन में भोज पर बुलाए जाने पर गांधी जी ने क्या किया ?
उत्तर 3:
एक बार लंदन में उन्हें भारतीय छात्रों ने एक शाकाहारी भोज में निमंत्रित किया। छात्रों ने इस अवसर के लिए स्वयं ही शाकाहारी भोजन तैयार करने का निश्चय किया था। तीसरे पहर दो बजे एक दुबला–पतला और छरहरा आदमी आकर उनमें शामिल हो गया और तश्तरियाँ धोने, सब्जी साफ करने और अन्य छुट–पुट काम करने में उनकी मदद करने लगा। बाद में छात्रों का नेता वहाँ आया तो क्या देखता है कि वह दुबला–पतला आदमी और कोई नहीं, उस शाम को भोज में निमंत्रित उनके सम्मानित अतिथि गांधीजी थे।

प्रश्न 4:
गांधी जी ने श्रीमती पोलक के बच्चे का दूध कैसे छुड़वाया ?

उत्तर 4:
श्रीमती पोलक बहुत ही दुबली और कमजोर हो गई थीं। उनका बच्चा उनका दूध पीना छोड़ता ही नहीं था और वह उसका दूध छुड़ाने की कोशिश कर रही थीं। बच्चा उन्हें चैन नहीं लेने देता था और रो–रोकर उन्हें जगाए रखता था। गांधीजी जिस दिन लौटे, उसी रात से उन्होंने बच्चे की देखभाल का काम अपने हाथों में ले लिया। बच्चे को श्रीमती पोलक के बिस्तर पर से उठाकर अपने बिस्तर पर लिटा लेते थे। वह चारपाई के पास एक बरतन में पानी भरकर रख लेते ताकि यदि बच्चे को प्यास लगे तो उसे पिला दें, लेकिन इसकी जरूरत ही नहीं पड़ती थी। बच्चा कभी नहीं रोता और उनकी चारपाई पर रात में आराम से सोता रहता था। एक पखवाड़े तक माँ से अलग सुलाने के बाद बच्चे ने माँ का दूध छोड़ दिया।

प्रश्न 5:
आश्रम में काम करने या करवाने का कौन सा तरीका गांधी जी अपनाते थे ? इसे पाठ पढ़कर लिखो।

उत्तर 5:
आश्रम में गॉधीजी अपना काम खुद ही करते थे उन्होंने सबको अपने–अपने काम बॉट रखे थे । सख्ती से काम करवाते थे । उन्हें अपना काम खुद करना पसंद था । वे दूसरे से काम करवाना पसंद नहीं करते थे किसी के कुछ पूछने पर उसे नया काम बता देते थे । वह बेचारा गॉधीजी को काम करता देख काम को मना भी नहीं कर पाता था